भारत सरकार

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2096

बुधवार, 04 मार्च, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

आई-प्रिज्म की उपलब्धियाँ

2096 श्रीमती गीताबेन वी. राठवाः
श्री परबतभाई सवाभाई पटेलः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री नारणभाई काछड़ियाः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आई-प्रिज्म की उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है जो कि विद्यालयों, पॉलीटेक्निक संस्थानों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों हेतु बौद्धिक संपत्तियों (आई.पी.) से संबंधित एक प्रतिस्पर्धा है;

(ख) क्या पहले संस्करण की तरह इसका दूसरा संस्करण भी सफल रहा है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त प्रतिस्पर्धा द्वारा भारत में कितने प्रतिशत विद्यालय लाभान्वित हुए हैं?

उत्तर

वाणिज्य और उद्योग मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क): राष्ट्रीय आईपीआर नीति 2016 के तहत 'आईपीआर जागरूकता, पहुंच और संवर्धन' क्रियाकलाप के रूप में उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग के आईपीआर संवर्धन और प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीआईपीएएम) ने एसोचैम और एरिकसन इंडिया के साथ मिलकर वर्ष 2018 में आई-प्रिज्म प्रतियोगिता (स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देते हुए) की शुरुआत की। आई-प्रिज्म में विद्यार्थियों से प्रतियोगिता की दो श्रेणियों- फिल्म और कॉमिक निर्माण, के तहत प्रविष्टियां आमंत्रित की गईं थीं तथा प्रत्येक श्रेणी के तहत तीन शीर्ष तीन प्रविष्टियों को पुरस्कृत किया गया। पहले संस्करण में 73 आवेदन प्राप्त हुए थे।

इसके अलावा, 18 दिसंबर, 2018 को जालसाजी रोकने संबंधी सम्मेलन भी आयोजित किया गया था। पहले संस्करण (2018-19) में लगभग 15,000 संस्थाओं तक पहुंच स्थापित की गई।

(ख): जी, हां। आई-प्रिज्म के दूसरे संस्करण में 97 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। दूसरे संस्करण (2019-20) में कुल 24,000 संस्थाओं तक पहुंच स्थापित की गई जिनमें 18,000 स्कूल शामिल हैं।

(ग): 'शैक्षणिक सांख्यिकी एक नजर में', 2018 संबंधी एमएचआरडी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2015-16 में माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर स्कूलों (आई-प्रिज्म के लिए लक्षित वर्ग) की संख्या 2,52,176 है। इन आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2019-20 में आई-प्रिज्म की पहुंच 7.1 प्रतिशत स्कूलों में दर्ज की गई।

****